1226/

तत्काल/दस्ती

सं. ए/43019/एमएसीपी/एमटीएस/11/मु.प्र.अ./का-2(बी)

रक्षा मंत्रालय

(संयुक्त सचिव एवं मु.प्र.अ. का कार्यालय)

विषयः-**संशोधित सुनिश्चित आजीविका प्रोन्नयन (एमएसीपी) योजना के अंतर्गत सशस्त्र सेना मुख्यालय/अंतर सेवा संगठनों में बहु कार्य कर्मचारी संवर्ग के कार्मिक को सतत् सेवा के 10/20/30 वर्ष पूर्ण कर लेने के उपरान्त प्रथम/द्वितीय/ तृतीय वित्तिय उन्नयन।**

संशोधित सुनिश्चित आजीविका प्रोन्नयन (एमएसीपी) योजना संबंधी कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, के ज्ञापन सं. 35034/3/2015-स्था.(डी), दिनांक 22 अक्टूबर 2019 में विहित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के आलोक में, सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से **इस नोट के साथ संलगन परिशिष्ट - 'क' पर दर्शाये गये बहु कार्य कर्मचारी को प्रथम/द्वितीय/तृतीय वित्तिय उन्नयन, जिसके लिये जो लागू हो, प्रदान किया जाता है।**

2. उपरोक्त वित्तिय उन्नयन विशुद्धतः वैयक्तिक रुप से दिया जाएगा और उसकी वरिष्ठता स्थिति से इसका कोई संबंध नही होगा। इसी प्रकार, वरिष्ठ कर्मचारियों को इस आधार पर कोई अतिरिक्त वित्तिय उन्नयन नहीं दिया जाएगा कि इस ग्रेड में कनिष्ठ कर्मचारी ने संशोधित आजीविका प्रोन्नयन योजना के अंतर्गत उच्चतर वेतन प्राप्त कर लिया है।

3. एमएसीपी योजना में डॉयज-नान की अवधि को सतत् सेवा की अवधि में नहीं गिना जाएगा। वैसे, बहु कार्य कर्मचारियों की क्रमशः वित्तिय उन्नयन प्रदान करने की तिथि, जो इस नोट के परिशिष्ट - 'क' के क्रम संख्या 26, 45, 49, 51 तथा 52 पर दर्शाए गए है, जिनकी सेवा अवधि में डॉयज-नान अवधि है, उनके वित्तिय उन्नयन की तिथि तदानुसार बढ़ा दी गई है।

4. संशोधित सुनिश्चित आजीविका प्रोन्नयन योजना के अंतर्गत पदोन्नति/वित्तिय उन्नयन देते समय अपना वेतन नियत करवाने के संबंध में किसी सरकारी कर्मचारी को मूल नियम 22(1)a(i) के अंतर्गत, सातवें वेतन आयोग के अनुसार अगले लेवल में वेतन निर्धारण करने का प्रावधान है।

5. यदि कर्मचारी को वित्तिय उन्नयन का हकदार बनने से पहले नियमित पदोन्नति के प्रस्ताव दिया गया और उसने अस्वीकार कर दिया है, तो कोई वित्तिय उन्नयन नहीं दिया जाएगा क्योंकि अवसरों की कमी के कारण हुआ गतिरोध नहीं माना जाएगा। तदापि यदि वित्तिय उन्नयन की अनुमति गतिरोध के कारण नहीं दी गई है और तत्पश्चात कर्मचारी ने पदोन्नति से मना कर दिया है तो यह वित्तिय उन्नयन को वापस लेने का आधार नहीं होगा। फिर भी, वह अगले वित्तिय उन्नयन पर विचार करने का तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह पुनः पदोन्नति हेतु विचार किए जाने के लिए सहमत नहीं होता है और अगला वित्तिय उन्नयन भी, इंकार के कारण विवर्जन की अवधि तक स्थगित कर दिया जाएगा।

6. संबंधित प्रशासनिक अनुभाग वित्तिय उन्नयन प्रदान करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि संबंधित कर्मचारी के संबंध में सतर्कत्ता संबंधित कोई मामला लंबित अथवा विचाराधीन नहीं है, जिन मामलों में वित्तिय उन्नयन की तिथि इस आदेश के बाद की है।

7. उपरोक्त वित्तिय उन्नयन संशोधित सुनिश्चित आजिवका प्रोन्नयन (एमएसीपी) योजना के संबंध में कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले अनुदेशों एवं दिशा-निर्देशों के अध्याधीन होंगें।

संजय नन्दी
(संजय नन्दी)
व.प्र.अ., मु.प्र.अ./कार्मिक-2(बी)
04 जून 2021

वायु सेना मुख्यालय/पी सी समन्वय नौ सेना मुख्यालय/प्रशा (सिव) एन डी सी जे सी बी

मु.प्र.अ./ए-1(ए) मु.प्र.अ./ए-1(बी) मु.प्र.अ./ए-2(ए) मु.प्र.अ./ए-2(बी)

मु.प्र.अ./ए-3(ए) मु.प्र.अ./ए-3(बी) मु.प्र.अ./ए-4(ए) मु.प्र.अ./ए-4(बी)

मु.प्र.अ./ए-5(ए) मु.प्र.अ./ए-5(बी) मु.प्र.अ./ए-6(ए) मु.प्र.अ./ए-6(बी)

मु.प्र.अ./ए-7(ए) मु.प्र.अ./ए-7(बी)

प्रतिलिपिः-

सशस्त्र सेना मुख्यालय/ अंतर सेवा संगठनों के सभी संबंधित समन्वय अनुभाग

सूचना पटल

मु.प्र.अ. वेबसाईट (http://www.caomod.gov.in)

द्वारा

ई.डी.पी. प्रकोष्ट